8. What do you mean by Valéry's contention which states that 'Exclusive Sensibility' is regarded as necessary condition for art?

वैलेरी के इस कथन से आपका क्या तात्पर्य है कि 'अनन्य संवेदनशीलता' को कला के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता है?

9. Examine Hiriyanna's Aesthetic dimensions on Art and Morality.

कला और नैतिकता पर हिरियाना के सौंदर्य संबंधी आयामों का परीक्षण करें।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

02/06/26

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1496 **L**

Unique Paper Code : 2103100012

Name of the Paper : Aesthetics

Name of the Course : **DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss Shyamala Gupta's argument given to defend Aesthetics as a Philosophical framework.

एक दार्शनिक ढांचे के रूप में सौंदर्यशास्त्र की रक्षा के लिए दिए गए श्यामला गुप्ता के तर्क पर चर्चा करें।

2. Explain Rekha Jhanji's ideas on creativity in Traditional art.

पारंपरिक कला में रचनात्मकता पर रेखा झांजी के विचारों की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss J.P. Sartre's justification for the unreality of a work of art.

जे.पी. सार्त्र द्वारा कलाकृति की अवास्तविकता के औचित्य पर चर्चा कीजिए।

4. Elaborate the importance of Aesthetic form to Marcuse's critique of Marxist aesthetics.

मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र पर मारक्यूज की आलोचना में सौंदर्यपरक रूप के महत्व को विस्तार से समझाइए

5. Compare the perspective of Vedanta and Saṁkhya in regards to the conceptions of Rasa.

रस की अवधारणाओं के संबंध में वेदांत और सांख्य के दृष्टिकोण की तुलना कीजिए।

6. Elaborate the importance of Sadṛṣya and Pramana to representation in Indian Art.

भारतीय कला में प्रस्तुतिकरण के लिए सादृश्य और प्रमाण के महत्व को विस्तारपूर्वक समझाइए।

7. Explain the arguments given by Guyer to defend or reject Kant's interpretation of the disinterestedness of judgements of taste from its counterintuitive implications.

स्वाद संबंधी निर्णयों की निष्पक्षता के संबंध में कांट की व्याख्या का बचाव या खंडन करने के लिए गायर द्वारा दिए गए तर्कों की व्याख्या कीजिए, खासकर इसके विरोधाभासी निहितार्थों के संदर्भ में?